उत्तर प्रदेश में पिछड़े हुए जिलों में उद्योग

3298. **डा० रत्नाकर पाण्डेय :** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश के उन पिछड़े हुए जिलों के नाम क्या हैं जहां हाल ही में कुछ रियायतें प्राप्त करने के बाद एम. आर. टी. पी. और "फेरा" के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले औद्योगिक घरानों द्वारा नये उद्योगों की स्थापना की गई है; और

(ख) इन औद्योगिक प्रतिष्ठानों के निर्माण-कार्य में कितनी प्रगति हुई है?

उद्योग मंत्रालय में औद्योगिक विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम): (क) उत्तर प्रदेश के विभिन्न केन्द्रीय रूप से घोषित पिछड़े जिलों में उद्योग स्थापित करने के लिए एम.आर.टी.पी. अधिनियम और फेरा के क्षेत्र-अधिकार के अन्तर्गत आने वाले उपक्रमों के लिए जनवरी, 1987 से जून, 1987 की अवधि के दौरान उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम के उपबन्धों के अधीन 13 आशय पत्र और 6 औद्योगिक लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे। उपर्युक्त अवधि के दौरान इन आशय पत्रों/औद्योगिक लाइसेंसों के अलावा राज्य के पिछड़े क्षेत्रों के लिए लाइसेंस मुक्त उद्योगों से सम्बन्धित एम.आर.टी.पी. उपक्रमों से 11 प्रस्ताव तकनीकी विकास महानिदेशालय द्वारा जीकृत किए गए थे।

जारी किए गए सभी आशय पत्रों, औद्योगिक लाइसेंसों और तकनीकी विकास महानिदेशालय में पंजीकृत योजनाओं के सम्बन्ध में उपक्रम का नाम और पता, स्थापना स्थल (जिले के नाम सहित), उत्पादन की वस्तुएं और क्षमता आदि जैसे ब्यौरे भारतीय निवेश केन्द्र द्वारा अपने "मन्थली न्यूजलेटर" में नियमित रूप से प्रकाशित किए जाते हैं। इस प्रकाशन की प्रतियां नियमित रूप से संसद पुस्तकालय को भेजी जाती हैं।

(ख) एक आशय पत्र एक वर्ष प्रारम्भिक वैधता अवधि के लिए स्वीकृत किया जाता है और पर्याप्त औचित्य पर इसकी अवधि और बढ़ाई भी जा सकती है। उद्यमी द्वारा आशय पत्र की शर्तें पूरी कर लिए जाने के पश्चात इसे औद्योगिक लाइसेंस में परिवर्तित कर दिया जाता है। एक औद्योगिक लाइसेंस की प्रारम्भिक वैधता अवधि 2 वर्ष है जिसके भीतर उद्यमी से वाणिज्यिक उत्पादन प्रारम्भ करने की आशा की जाती है। तथापि, उचित आधार होने पर सम्बन्धित प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा दो वर्ष की वैधता अवधि को और बढ़ाया भी जा सकता है। इस प्रकार, एक औद्योगिक परियोजना को कार्यान्वित होने में लगभग तीन से चार वर्ष लगते हैं। तथापि, प्रारम्भिक अवधि प्रत्येक परियोजना से दूसरी परियोजना में भिन्न होती है।

Foreign exchange earnings of public sector units

3299. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether the foreign exchange earnings of public sector units have decreased by almost 35 per cent; and

(b) what is the position of small scale industries in this regard?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI J. VENGAL RAO): (a) Yes, Sir. The details and the reasons for the decrease in the export earnings of the enterprises have been given in Volume II of the Public Enterprises Survey placed on the Table of the House in February, 1987.